

## **Regarding facilities for Senior Citizens-Laid**

श्री अरुण गोविल (मेरठ) : बचपन और जवानी के बाद जब एक व्यक्ति वृद्धावस्था में प्रवेश करता है तो उसके जीवन में काफी परिवर्तन आते हैं। सबसे पहले सेहत संबंधी समस्याएं इसके पश्चात अकेलापन परेशान करता है। पहला प्रमुख कारण है संयुक्त परिवार प्रणाली का विघटन, नई व पुरानी पीढ़ी के बीच का फासला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाएं तथा उसके आनुषंगिक संगठन जैसे संस्कार भारती सेवा भारती इत्यादि वरिष्ठ नागरिकों को उपयोगी कार्यों में लगाकर उन्हें महत्वपूर्ण होने का निरंतर एहसास कराते हैं। सरकार को भी चाहिए कि वरिष्ठ नागरिकों को कम से कम ₹10000 महीना पेंशन दें, ताकि वह अपने भोजन और वस्त्र इत्यादि का प्रबंध बिना किसी परेशानी के कर सकें। सरकार को चाहिए केवल बुजुर्ग नागरिकों के लिए सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में सप्ताह में एक दिन ऐसा निर्धारित करें जब केवल वरिष्ठ नागरिकों की ही देखभाल हो। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र से मिलने वाली सस्ती दवाइयों से बुजुर्ग लोगों को अपना स्वास्थ्य ठीक रखने में बहुत सहायता मिली है। वरिष्ठ नागरिकों को यात्रा, भ्रमण, तीर्थाटन व देशाटन इत्यादि में सुविधा पहुंचाने के लिए रेल, बस, इत्यादि में किराए में छूट दी जानी चाहिए।